APRIL 2013 TO MARCH 2014

अधिक गन्ना उत्पादन के लिए बताए नुस्खे

किसानों को मिली गन्ने में कीट प्रकोप की जानकारी

नगर संवाददाता

कवर्धा. कृषि विज्ञान केंद्र में पदस्थ पौध रोग विशेषज्ञ डॉ. बी.पी. त्रिपाठी ने जिले के चारों विकासखंडों में प्रतिशत मात्रा में गन्ने के टुकड़े को 15 से 20 मिनट तक डुबोकर रखे, उसके उपरांत बुवाई करे तो लाल सड़न बिमारी आने की संभावना कम रहती है

गेहूं उत्पादन बढ़ाने तकनीक बताया गया

तकनीक की जानकारी लेते तिलईभाठ के कृषक

कवर्धा, कृषि विज्ञान केन्द्र द्वारा ग्राम तिलईभाठ विकासखंड स. कवर्धा में मुख्य प्रक्षेत्र दिवस का आयोजन किया गया. विदित हो कि 2.50 एकड़ के गेहूं फसल की अलोकोविरूपण प्रोपीनिल 15 लेवल + मेटसल्फयुरान मिथाईल (ग्रू.पी.) चौड़ी,पत्ती एवं सकरी पत्ती के नियंत्रण पर अग्रिम फील्ड प्रदर्शन का कार्यक्रम लिया जा रहा जिसका मुख्य उद्देश्य गेहूं के लिए को बढ़ाया क्योंकि गेहूं की फसल में बहुत सारे खरपतवार की पत्ती एवं सकरी पत्ती के अलावे जिससे फसल के उत्पादन पर असर पड़ता है. खरपतवारनाशी के प्रयोग से गेहूं की फसल में से 25-30 दिन के अन्दर खेत में पानी रहने पर छिड़काव करने से खरपतवार नष्ट हो जाते हैं. उक्त दिवस पर मुख्य अतिथि के रूप में कृषि विज्ञान

- तिलईभाठ के कृषक लाभान्वित हुए

केन्द्र के कार्यक्रम समन्वयक डॉ.टी. डी. साहू ने कृषि विज्ञान केन्द्र की गतिविधियां एवं गेहूं फसल में उर्वरक प्रबंधन की विस्तृत जानकारी दी. डॉ. बी. पी. त्रिपाठी ने बताया कि जिले में लगभग 85 हजार हे0 क्षेत्रों में चना फसल लगायी जाती है और लगभग सभी खेतों में चने की सुखा विभाग

जिले में गेंहू उत्पादन की संभावना अधिक

कवर्धा

अजय अग्रवाल और छेदी

कृषि वि
कार्यशाल
कार्यशाल
माह की
में फसल
से चर्चा
किसानों
पहुंचाय

प्रक्षेत्र दिवस का आयोजन

जिले में गेहूं फसल का रकबा बढ़ने की संभावना

प्रक्षेत्र दिवस • ग्राम खाड़ीवनखुर्द में प्रक्षेत्र दिवस का आयोजन

कृषि विज्ञान केंद्र के वैज्ञानिकों ने किसानों को चना उत्पादन की दी विस्तृत जानकारी

चना प्रबंधन पर वैज्ञानिकों ने दिए सुझाव

कवर्धा, किसानों को जानकारी देते कृषि विज्ञान केंद्र के वैज्ञानिक

कृषि विज्ञान केन्द्र में कार्यशाला आयोजित

उत्पादन के बढ़ाए तरीके • चना फसल पर प्रक्षेत्र दिवस का आयोजन

किसानों को दी फसल की जानकारी, खाद बीज के दामों किसान हुए लाभान्वित

जिले में चने का 85 हजार हेक्टेयर रकबा

कृषि वैज्ञानिकों ने उत्पादन बढ़ाने की तकनीक बतायी

कृषि वैज्ञानिकों के साथ कवर्धा जूर्ड के कृषक